कॉकटेल 2 का प्रमोशन होगा सबसे अलग

लाइव परफॉर्मेंस और स्टार इंटरैक्शन से सजेगा फेस्टिवल

कॉकटेल 2 अब सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक एक्सपीरियंस बनने जा रही है! ट्रेडिशनल प्रमोशन को साइड रखते हुए, मेकर्स ने सोचा है कुछ बड़ा, कुछ अलग. पहली बार, फिल्म की दुनिया बढ़कर एक फुल-स्केल म्यूज़िक फेस्टिवल और फैन गाला बनाने वाली है, जो मुंबई, नई दिल्ली और पुणे में होगा हर शहर में फैंस और म्यूज़िक लवर्स को एक ही छत के नीचे लाने वाला महा-जश्न.

कॉकटेल 2 का क्रेज़ पहले से ही पीक पर है ट्रेलर हर प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है, गाने स्पॉटिफाई और यूट्यूब पर छाए हुए हैं, और मशूका तो बिल्कुल चार्टबस्टर बन चुका है, ऑडियंस का फुल ऑब्सेशन. हवा में एक्साइटमेंट फील हो रहा है, और कॉकटेल 2 इस साल के सबसे ज़्यादा चर्चा में रहने वाले सिनेमैटिक इवेंट्स में से एक बन चुकी है. मैडॉक फिल्म्स और लव फिल्म्स लेकर आए हैं कॉकटेल 2 म्यूजिक फेस्टिवल एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला आइडिया! यह होगा एक लाइव सिनेमैटिक यूनिवर्स एक्सपीरियंस, जहाँ फिल्म के सारे हिट गाने ओरिजिनल सिंगर्स के साथ स्टेज पर लाइव परफॉर्म करेंगे, एक हाई-एनर्जी कॉन्सर्ट के स्टाइल में. और सिर्फ इतना ही नहीं, फिल्म की स्टार कास्ट भी इस जश्न का हिस्सा बनेगी फैंस के साथ इंटरेक्शन, बीटीएस मोमेंट्स शेयर करना, और परफॉर्मेंस का पार्ट बनना, मतलब पूरा पैसा वसूल वाइब. मैडॉक फिल्म्स और लव फिल्म्स के सिग्नेचर बड़े स्केल वाले एंटरटेनमेंट स्टाइल में कॉन्सेप्ट किया गया यह कॉकटेल 2 म्यूजिक फेस्टिवल एक कल्चरल मोमेंट जैसा फील देने वाला है इमर्सिव, इलेक्ट्रिक और यादगार. होमी अदजानिया के डायरेक्शन में बनी कॉकटेल 2, दिनेश विजन, लव रंजन और अंकुर गर्ग के प्रोडक्शन में तैयार हुई है. कहानी तरुण जैन और लव रंजन ने लिखी है. यह फिल्म 19 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

नई फिल्म 'द ओडिसी' की आईमैक्स एडवांस बुकिंग शुरू

क्रिस्टोफर नोलन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द ओडिसी' का इंतजार कर रहे भारतीय दर्शकों के लिए अच्छी खबर है. भारत में इस फिल्म की आईमैक्स एडवांस बुकिंग शुरू हो जाएगी. इसके साथ ही भारतीय दर्शक दुनिया के उन पहले लोगों में शामिल होंगे, जो इस फिल्म के लिए अपनी पसंदीदा सीटें पहले से बुक कर सकेंगे. पूरी तरह आईमैक्स कैमरों से शूट की गई यह दुनिया की पहली फीचर फिल्म है. फिल्म 17 जुलाई, 2026 को भारत समेत दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. ऑस्कर विजेता निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन ने इस फिल्म को लिखा और निर्देशित किया है. यह फिल्म होमर की मशहूर महाकाव्य कहानी पर आधारित है, जिसे बड़े पर्दे पर बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया है. कहानी इथाका के राजा ओडिसियस की है, जो ट्रॉय युद्ध खत्म होने के बाद अपने घर लौटने के लिए लंबी और खतरनाक यात्रा पर निकलते हैं. फिल्म में मैट डेमन ओडिसियस की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि टॉम हॉलैंड उनके बेटे टेलीमेकस और ऐन हैथवे पेनेलोप के किरदार में नजर आएंगे.

रसिका दुगल ने मिर्जापुर : द मूवी पर की बात

डिजिटल दुनिया में तहलका मचाने और एक बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग बनाने के बाद, अब मिर्जापुर फ्रेंचाइजी मिर्जापुर: द मूवी के साथ बड़े पर्दे पर अपना ग्रैंड लीप लेने के लिए पूरी तरह तैयार है. सिर्फ इस अनाउंसमेंट ने ही दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जिससे यह आने वाले समय की सबसे मोस्ट-अवेडेट फिल्मों में से एक बन गई है. एक बड़े स्केल, डार्कर नैरेटिव और एक असली सिनेमैटिक एक्सपीरियंस का वादा करते हुए, यह फिल्म मिर्जापुर की उस रॉ इंटेंसिटी और हाई-स्टेक्स ड्रामा को थिएटर्स में इस तरह लाने के लिए तैयार है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया. इस बढ़ते एक्साइटमेंट के बीच, रसिका दुगल फिल्म के स्केल के बारे में बात करती हुई नज़र आईं.

जब उनसे मिर्जापुर: द मूवी के बारे में पूछा गया कि 'क्या आप हमें एक हिंट दे सकती हैं कि यह फिल्म कैसी होगी, तो रसिका दुगल ने जवाब दिया, 'फिल्म में स्केल है. इसमें वो ग्रिटी डिटेल्स भी हैं जो सीरीज में थीं, लेकिन साथ ही इसमें बड़े पर्दे के सिनेमा का स्केल भी है. यह फिल्म वाकई में देखने के लिए एक बहुत बड़ा सिनेमैटिक फेनोमेनन होने वाली है, क्योंकि मिर्जापुर: द मूवी बड़े पर्दे पर आने वाली सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनने के लिए तैयार है.

यह प्रोजेक्ट हाल के दिनों के सबसे एम्बिशियस अडैप्टेशंस में से एक के रूप में आकार ले रहा है. इस फिल्म को गुरमीत सिंह डायरेक्ट करेंगे और पुनीत कृष्णा ने इसे लिखा है. इसमें शीबा चड्ढा, रवि किशन, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और कई अन्य कलाकार नज़र आएंगे. इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं,

हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू टीज़र जारी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी की आगामी फिल्म बेबी डू डाई डू का बहुप्रतीक्षित टीज़र जारी कर दिया गया है. इसमें दर्शकों को बेबी करमरकर की रहस्यमयी और रोमांचक दुनिया की पहली झलक देखने को मिलती है. फिल्म में बेबी करमरकर को भारत की पहली देसी महिला सुपारी किलर के रूप में प्रस्तुत किया गया है.फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहीं हुमा कुरैशी के साथ सिकंदर खेर, चंकी पांडे, सीमा पाहवा, रचित सिंह और मरुधर शेखावत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे.

टीज़र में बेबी करमरकर के बचपन से जुड़ी कुछ झलकियां दिखाई गई हैं और धीरे-धीरे उन पात्रों से परिचय कराया गया है जो उसकी दुनिया का हिस्सा हैं. मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित यह टीज़र रहस्य, रोमांच और सस्पेंस से भरपूर है. एक लाल छतरी लिए महिला की मौजूदगी कहानी के रहस्य को और गहरा करती है तथा दर्शकों के मन में कई सवाल छोड़ जाती है. फिल्म के निर्माता साकिब सलीम ने कहा कि इस टीज़र के माध्यम से दर्शकों के लिए बेबी की दुनिया के दरवाजे खोले गए हैं. उनके अनुसार, फिल्म में कई ऐसे दिलचस्प पात्र हैं जो कहानी को नई परतें और नया रोमांच प्रदान करते हैं.

टेलीविजन

फैंस हमेशा इस सफर का अहम हिस्सा रहे हैं : अमनदीप सिद्धू

फिक्शन शो 'गंगा माई की बेटियां', जो इस समय हिंदी जीईसी शोज़ में मजबूत जगह बनाए हुए है, एक बार फिर अपने दर्शकों की ओर रुख कर रहा है. दर्शकों को याद होगा कि उन्होंने सब्रिंग त्रेधू टुगेदर के जरिए स्नेहा (अमनदीप सिद्ध) और सिद्धू (शीजान खान) को एक करने के लिए भरपूर प्यार और समर्थन दिया था. फैंस के इसी अटूट प्यार की बदौलत आखिरकार स्नेहा और सिद्धू की शादी हुई थी. लेकिन अब कहानी ने नया और बड़ा मोड़ ले लिया है. स्नेहा को जब यह चौंकाने वाला सच पता चलता है कि सिद्धू, दुर्गावती (इंदिरा कृष्णा) का बेटा है, तो उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है. प्यार और धोखे के बीच फंसी स्नेहा अब अपनी शादी के भविष्य को लेकर सबसे मुश्किल फैसले के सामने खड़ी है. और ठीक पहले की तरह, इस बार भी वह उसी दर्शक वर्ग की राय जानना चाहती है, जो उसके सफर में हमेशा उसके साथ खड़ा रहा है.

आयुषी खुराना ने रीत के हालिया जज़्बाती ट्रैक पर की बात

जाने अनजाने हम मिले में राघव (भरत अहलावत) और रीत (आयुषी खुराना) की कहानी लगातार दर्शकों को बांधे हुए है. दमदार कहानी और जज़्बातों से भरे ट्रैक्स की वजह से यह शो दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है. समय-समय पर शो में ऐसे कई ट्रैक्स देखने को मिले हैं, जिन्होंने कलाकारों को एक्टर के तौर पर भी बड़ी चुनौती दी है. चाहे वह सहज राजपूत (उन्नति) का घरेलू हिंसा वाला ट्रैक हो या भरत अहलावत (राघव) का जेल ट्रैक, इन कहानियों ने न सिर्फ दर्शकों को भावुक किया बल्कि शो के कुछ सबसे यादगार सीन्स भी दिए. अब आने वाले एपिसोड्स में दर्शकों को एक और बेहद दर्दभरा ट्रैक देखने को मिलेगा. आने वाले ट्रैक में रीत अपने बच्चे को जन्म देती है, लेकिन उसी के साथ उसे अपने नवजात बच्चे को खोने का दर्द भी झेलना पड़ता है.

नागबंधम में अब्दाली के किरदार के लिए ऋषभ साहनी ने की गहन रिसर्च

अभिनेता ऋषभ साहनी अपनी आने वाली फिल्म 'नागबंधम' में अपने किरदार 'अब्दाली' को पर्दे पर अधिक प्रभावशाली और वास्तविक बनाने के लिए व्यापक तैयारी कर रहे हैं.सूत्रों के अनुसार, साहनी ने इस भूमिका के लिए केवल शारीरिक प्रशिक्षण ही नहीं लिया, बल्कि ऐतिहासिक और भाषाई स्तर पर भी गहन अध्ययन किया है. बताया जा रहा है कि उन्होंने एक वर्ष से अधिक समय तक तलवारबाजी का प्रशिक्षण प्राप्त किया, पश्तो भाषा सीखी और फिल्म के लिए हिंदी तथा तेलुगु दोनों भाषाओं में स्वयं डबिंग भी की है.

हालिया रिपोर्टों के अनुसार ,ऋषभ ने अहमद शाह अब्दाली के जीवन और उसके दौर को समझने के लिए कई पुस्तकों और डॉक्यूमेंट्री का अध्ययन किया. इनमें इतिहासकार गंडा सिंह की चर्चित पुस्तक 'फादर ऑफ मॉडर्न अफगानिस्तान' भी शामिल है. इसके अलावा उन्होंने फिल्म की पृष्ठभूमि और दुनिया को बेहतर ढंग से समझने के लिए अक्षत गुप्ता की पुस्तक 'द नागा वॉरियर्स' का भी अध्ययन किया. ऋषभसाहनी ने केवल किरदार की बाहरी छवि पर ही नहीं, बल्कि उसके ऐतिहासिक संदर्भ और मानसिकता को समझने पर भी विशेष ध्यान दिया है. इस रिसर्च ने उन्हें किरदार को अधिक गहराई और विश्वसनीयता के साथ निभाने में मदद की है. किसी ऐतिहासिक या कालखंड आधारित किरदार को प्रभावी बनाने के लिए भाषा, संस्कृति और इतिहास की समझ उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी शारीरिक तैयारी और एक्शन प्रशिक्षण. ऋषभ साहनी की तैयारी को इसी दृष्टि से देखा जा रहा है. 'नागबंधम' की रिलीज को लेकर बढ़ती चर्चा के बीच ऋषभ की यह मेहनत दर्शाती है कि फिल्म के प्रमुख किरदारों को पर्दे पर जीवंत बनाने के लिए पर्दे के पीछे कितनी गंभीर तैयारी की गई है.

अनुराग कश्यप के फैन हुए बॉबी देओल

बंदर के जरिए बॉबी देओल और अनुराग कश्यप की जोड़ी ने एक ऐसा सिनेमाई अनुभव पेश किया है, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है. निखिल द्विवेदी के प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म ने रिलीज़ के साथ ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है. फिल्म की कहानी, निर्देशन और परफॉर्मेंस—तीनों ही पहलुओं को सराहा जा रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा बॉबी देओल के अभिनय की हो रही है.

बॉबी देओल, जिन्होंने हाल के वर्षों में अपने करियर को नए सिरे से स्थापित किया है, 'बंदर' में एक अलग ही अंदाज में नजर आते हैं. उनका किरदार गहराई से भरा हुआ है और उन्होंने इसे जिस तरह निभाया है, उसने दर्शकों को प्रभावित किया है. कई समीक्षकों ने इसे उनके करियर की बेस्ट परफॉर्मेंस में से एक बताया है. अनुराग कश्यप का निर्देशन हमेशा की तरह रॉ और रियलिस्टिक है. उनकी फिल्मों की खासियत होती है कि वे दर्शकों को कहानी के भीतर खींच लेती हैं, और 'बंदर' भी इससे अलग नहीं है. बॉबी देओल ने खुद माना कि अनुराग के साथ काम करना एक लर्निंग एक्सपीरियंस रहा.

उन्होंने कहा कि अनुराग कलाकार को पूरी आज़ादी देते हैं, जिससे वह अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझ और निभा सकता है. बॉबी ने यह भी साझा किया कि शूटिंग के दौरान उन्हें कई नए प्रयोग करने का मौका मिला, जो उनके लिए बेहद रोमांचक था.

साइंस एंड टेक्नोलजी

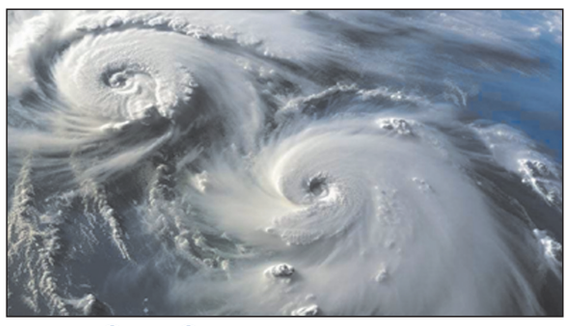

धरती की ओर बढ़ा सूरज का महातूफान

भारत में भी दिख सकती है ऑरोरा की अद्भुत रोशनी

सूर्य पर हुए इस विस्फोट को कोरोनल मास इजेक्शन कहा जाता है, जिसमें सूर्य से भारी मात्रा में चार्ज्ड पार्टिकल्स अंतरिक्ष में निकलते हैं. जब ये कण पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड से टकराते हैं, तो एक भू-चुंबकीय तूफान पैदा होता है. यही तूफान अब पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है. इस तरह के सौर तूफान का असर कई तरह से देखने को मिल सकता है. एक तरफ जहां यह सैटेलाइट्स, जीपीएस सिस्टम और रेडियो कम्युनिकेशन को प्रभावित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यह आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी का अद्भुत नजारा भी पेश करता है, जिसे ऑरोरा कहा जाता है.

ऑरोरा तब बनता है जब सूर्य से आए चार्ज्ड पार्टिकल्स पृथ्वी के वायुमंडल में मौजूद गैसों जैसे ऑक्सीजन और नाइट्रोजन से टकराते हैं. इस टकराव से ऊर्जा निकलती है, जो हरे, लाल और बैंगनी रंग की रोशनी के रूप में आसमान में दिखाई देती है. इस बार सौर तूफान की तीव्रता को देखते हुए यह प्रभाव सामान्य से ज्यादा शक्तिशाली हो सकता है. यही कारण है कि भारत के उत्तरी राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में भी ऑरोरा दिखाई देने की संभावना जताई जा रही है. हालांकि, विशेषज्ञों ने यह भी चेतावनी दी है कि इस तरह के तूफान से तकनीकी सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं. पावर ग्रिड, सैटेलाइट ऑपरेशन और एविएशन सेक्टर पर इसका असर पड़ सकता है. इसलिए संबंधित एजेंसियां पहले से सतर्क हैं. यह सौर तूफान जहां एक ओर संभावित खतरे लेकर आ रहा है, वहीं दूसरी ओर यह लोगों को एक दुर्लभ और मनमोहक प्राकृतिक नजारा देखने का मौका भी दे सकता है. अब सभी की नजरें आसमान पर टिकी हैं कि क्या सच में भारत में ऑरोरा का जादू देखने को मिलेगा.

हजार रुपये से कम में 8000 एमएएच बैटरी

144 हर्ट्ज़ डिस्प्ले और एआई फीचर्स

रेआलमी ने भारत में अपना नया स्मार्टफोन रेआलमी पी 4आर 5जी लॉन्च कर दिया है. यह फोन बड़ी 8000 एमएएच बैटरी, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6300 प्रोसेसर और 144 हर्ट्ज़ डिस्प्ले जैसे फीचर्स के साथ आता है. कंपनी का दावा है कि यह अपने सेगमेंट की सबसे बड़ी बैटरी वाला स्मार्टफोन है, जो फुल चार्ज पर 3 दिन तक चल सकता है. साथ ही इसमें आईपी65 रेटिंग और एमआईएल-एसटीडी-810एच मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी भी मिलती है.

रेआलमी पी 4आर 5जी की बिक्री 17 जून 2026 से फ्लिपकार्ट और रेआलमी डॉट कॉम पर शुरू होगी. फोन के 4 जीबी + 128 जीबी वेरिएंट की कीमत 18,999 रुपये, 6 जीबी + 128 जीबी वेरिएंट की कीमत 20,999 रुपये और 6 जीबी + 256 जीबी वेरिएंट की कीमत 22,999 रुपये रखी गई है. स्मार्टफोन टाइटेनियम ग्लेयर, सिल्वर ग्लेयर और लैवेंडर ग्लेयर कलर विकल्पों में उपलब्ध होगा. लॉन्च ऑफर के तहत सभी वेरिएंट्स पर 2,000 रुपये का बैंक डिस्काउंट और 3 महीने तक नो-कॉस्ट ईएमआई का फायदा मिलेगा. ऑफर के बाद इसकी शुरुआती कीमत 16,999 रुपये हो जाती है. रेआलमी पी 4आर 5जी की सबसे बड़ी खासियत इसकी 8000 एमएएच टाइटन बैटरी है. कंपनी के मुताबिक यह फुल चार्ज पर करीब 3 दिन तक इस्तेमाल की जा सकती है. इसके बावजूद फोन की मोटाई सिर्फ 8.8 मिलीमीटर और वजन 224 ग्राम रखा गया है. बैटरी को 1600 चार्जिंग साइकिल्स और 7 साल तक 80 फीसदी से ज्यादा हेल्थ बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है. फोन में 45 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मिलता है. इसके अलावा बायपास चार्जिंग फीचर भी दिया गया है, जो गेमिंग के दौरान हीट कम करने में मदद करता है. कंपनी का दावा है कि यह बीजीएमआई और फ्री फायर जैसे गे स में लंबे समय तक 60 एफपीएस का स्टेबल परफॉर्मेंस देने में सक्षम है.

डिवाइस में वन टैप कूलिंग, एआई नाइट चार्जिंग मोड और एआई कोल्ड चार्जिंग मोड जैसे फीचर्स भी शामिल हैं. फोटोग्राफी के लिए रेआलमी पी 4आर 5जी में 50 मेगापिक्सल एआई कैमरा दिया गया है, जिसमें एफ 1.8 अपर्चर मिलता है. फोन में मोशन फोटो, एआई पोर्ट्रेट ग्लो, एआई इरेज़र 2.0, एआई अल्ट्रा क्लैरिटी और एआई अनब्लर जैसे एआई फीचर्स दिए गए हैं. वहीं प्रोडक्टिविटी के लिए टेक्स्ट स्कैनर, एआई असिस्टेंट फॉर नोट्स और गूगल जेमिनी का सपोर्ट भी मिलता है. सुरक्षा के लिए एआई एंटी-थे ट और गूगल रिमोटली लॉक जैसे फीचर्स मौजूद हैं.

धरती पर एलियन अड्डे, स्पाई के खुलासे से सनसनी

रहस्यमयी घटनाओं और एलियन जीवन को लेकर लोगों की दिलचस्पी हमेशा से रही है. इसी कड़ी में अब एक और बड़ा दावा सामने आया है, जिसने इंटरनेट और मीडिया में हलचल मचा दी है. पूर्व अमेरिकी इंटेलिजेंस अधिकारी लिन बुकानन ने अमेरिकन अल्केमी नाम के पॉडकास्ट में दावा किया कि पृथ्वी पर चार खास जगहों पर एलियंस के सीक्रेट बेस मौजूद हैं. ये ठिकाने अलास्का (अमेरिका), ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और यूरोप के पाइरेनीज पर्वतों में स्थित हैं. उनका कहना है कि ये बेस सामान्य नजरों से छिपे हुए हैं और अत्याधुनिक तकनीक से सुरक्षित रखे गए हैं. उन्होंने यह भी दावा किया कि इन स्थानों का इस्तेमाल यूएफओ की मरम्मत, एलियंस के आवागमन और अन्य गुप्त गतिविधियों के लिए किया जाता है.

बुकानन का दावा है कि उन्होंने अपने करियर के दौरान ऐसी जानकारियों तक पहुंच बनाई थी, जो आम लोगों से छिपाई जाती हैं. हालांकि, उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण पेश नहीं किया है, जिससे इन बातों की पुष्टि हो सके. वैज्ञानिक और विशेषज्ञ इस तरह के दावों को संदेह की नजर से देखते हैं.

उनका कहना है कि अब तक एलियंस के अस्तित्व या उनके पृथ्वी पर होने के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं. नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां लगातार ब्रह्मांड में जीवन की खोज कर रही हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है. फिर भी, यूएफओ और एलियन से जुड़े किस्से और दावे लोगों के बीच हमेशा लोकप्रिय रहते हैं. सोशल मीडिया पर भी इस खुलासे को लेकर जबरदस्त बहस छिड़ गई है.

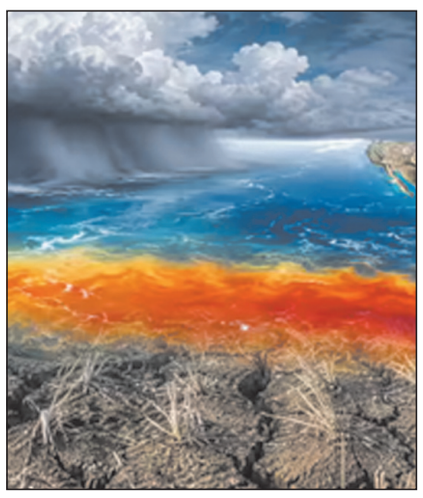

दुनिया बन जाएगी जलता चूल्हा

अल नीनो से टूटेंगे तापमान बढ़ने के सारे रिकॉर्ड

मौसम के मोर्चे पर मौजूदा साल और 2027 में दुनिया को बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है. मौसम विज्ञानियों ने अपने एक नए अनुमान के आधार पर चेताते हुए कहा है कि इस साल बनने वाला अल नीनो अब तक का सबसे शक्तिशाली अल नीनो हो सकता है. यह घटना दुनियाभर में तापमान को रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ाएगी, जिसका सीधा असर खेती-बाड़ी को नुकसान से लेकर पानी की कमी होने तक में देखने को मिलेगा. लाइव साइंस के मुताबिक, यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट का अनुमान है कि अल नीनो के चलते इस साल दिसंबर तक मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के इलाके में समुद्री सतह का तापमान औसत से 5.4 डिग्री फारेनहाइट (3 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ सकता है. कुछ अनुमानों में तापमान 7.2°F से ऊपर जाने की संभावना जताई गई है.

अल नीनो तोड़ेगा रिकॉर्ड?- अनुमान सही साबित होने का मतलब यह होगा कि इस साल का अल नीनो (प्राकृतिक जलवायु चक्र का गर्म चरण) दुनियाभर में तापमान को बहुत ज्यादा बढ़ा देगा. यह साल 2015-2016 और 1997-1998 के पिछले रिकॉर्ड-धारक अल नीनो से कहीं ज्यादा शक्तिशाली होगा. पिछली दो अल नीनो घटनाओं के दौरान नीनो 3.4 इंडेक्स में तापमान औसत से 4.1°F ऊपर चला गया था.

वॉशिंगटन पोस्ट के मौसम विज्ञानी और ग्लोबल वेदर राइटर बेन नोल ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि अब तकरीबन हर अनुमान +3°F से ऊपर जा रहा है और कुछ अनुमान तो +4°F से भी ज्यादा तापमान दिखा रहे हैं. यह अनुमान अब तक के सबसे शक्तिशाली अल नीनो की ओर इशारा करता है. इसे दुनिया को निश्चित ही एक चेतावनी की तरह लेना चाहिए.

अल नीनो से बढ़ रही गर्मी- अल नीनो की घटनाएं प्रशांत महासागर में अल नीनो-सदर्न ऑसिलेशन प्राकृतिक जलवायु चक्र के रूप में हर दो से सात साल में होती हैं. अल नीनो के दौरान मध्य और पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान बढ़ता है. इससे ट्रेड विंड्स कमजोर पड़ती हैं .